देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित
www.page3news.in
नगर संस्करण वर्ष 18 अंक: 297 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
जीत का फॉर्मूला

देहरादून, शुक्रवार, 8 मार्च 2024

पेज श्री

मौसम अधिकतम 23.0° न्यूनतम 11.0°

74119.39

2 तालिबान के खिलाफ पहुंचा संयुक्त राष्ट
7 कुलदीप की फिरकी में फंसे इंग्लिश

परिवारवादियों को देश देगा जवाब

परिवारवाद और भ्रष्टाचार पर जमकर बरसे पीएम मोदी, श्रीनगर में 53 परियोजनाओं का किया शुभारंभ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

श्रीनगर। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हटाने के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कश्मीर दौरे पर हैं। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में शविकसित भारत, विकसित जम्मू कश्मीरश कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6400 करोड़ की 52 विकास परियोजनाओं का शुभारंभ व लोकार्पण किया और जनसभा को संबोधित किया।

पीएम मोदी ने कहा, जम्मू कश्मीर में पहले की सरकारों के समय में भ्रष्टाचार और परिवारवाद का बोलबाला रहा। प्रदेश परिवारवाद का सबसे प्रमुख निशाना रहा। परिवारवादी लोग मोदी पर व्यक्तिगत हमले कर रहे हैं। देश के हर कोने में लोग कह रहे हैं– मैं हूं मोदी का परिवार। कश्मीर के लोग भी कह रहे– मैं हूं मोदी का परिवार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां की झीलों में जगह–जगह कमल देखने को मिलते हैं। 50 साल पहले बने जम्मू कश्मीर क्रिकेट एशोसिएशन के लोगो में भी कमल है। जम्मू कश्मीर की केसर, सेब, यहां के मेवे, जम्मू कश्मीरी चेरी, जम्मू कश्मीर अपने आप में ही इतना बड़ा ब्रांड है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर केवल एक क्षेत्र नहीं है। जम्मू कश्मीर भारत का मस्तक है, और ऊंचा उठा मस्तक ही विकास और सम्मान का प्रतीक होता है। इसलिए विकसित जम्मू कश्मीर, विकसित भारत की प्राथमिकता है। मोदी प्यार के इस कर्ज को चुकाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, एक जमाना था जब देश में जो कानून लागू होते थे वे कश्मीर में नहीं लागू हो पाते थे। एक जमाना था जब गरीब कल्याण की योजनाएं पूरे देश में लागू होती थी लेकिन जम्मू–कश्मीर के मेरे भाई बहन उनका लाभ नहीं ले पाते। अब देखिए वक्त ने कैसे करवट बदली है। आज श्रीनगर से आपके साथ ही पूरे भारत के लिए योजनाओं को आरंभ हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जम्मू–कश्मीर भारत का मस्तक है। ऊंचा उठा शीश ही विकास–सम्मान का प्रतीक होता है। उन्होंने लोगों से वेड इन इंडिया की अपील की। उन्होंने लोगों से कहा कि आप बाहर दूसरे देशों में शादी करते हैं, जिससे उस देश की इकोनॉमी मजबूत होती है।

जेके में पर्यटन के टूटे सारे रिकॉर्ड

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जब इरादे नेक हों, संकल्प को सिद्ध करने का जज्बा हो तो फिर नतीजे भी मिलते हैं। पूरी दुनिया ने देखा कि कैसे यहां जम्मू कश्मीर में जी20 का शानदार आयोजन हुआ। आज यहां जम्मू कश्मीर में पर्यटन के सारे रिकॉर्ड टूट रहे हैं। अकेले 2023 में ही दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक यहां आए हैं।

नौजवानों की भावनाओं का सम्मानः पीएम मोदी

पीएम ने कश्मीर से भाजपा को जोड़ते हुए कहा कि यहां झीलों में कमल खिलता है और भाजपा का चिह्न भी कमल ही है। जम्मू कश्मीर से भाजपा का नाता सभी जानते हैं। उन्होंने कहा कि 370 का फायदा आम कश्मीरी को था या फिर कुछ राजनीतिक परिवार अपने फायदे के लोगों को गुमराह कर रहे थे। आज 370 नहीं है, इसलिए आज जम्मू कश्मीर के नौजवानों की भावनाओं का सम्मान हो रहा है।

मैं माफी मांगता हूं जिन्हें बैठने की जगह नहीं मिलीः एलजी

श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम को लेकर जम्मू–कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि इस स्टेडियम की क्षमता 35,000 है और इसके अलावा यहां करीब 25 हजार कुर्सियां लगाई गई हैं। जिस तरह से घाटी के लोग पीएम मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए यहां आए हैं, ये स्टेडियम पूरी तरह से भरा हुआ है...मैं उन लोगों से माफी मांगना चाहता हूं जिन्हें बैठने की जगह नहीं मिल पा रही है। अगर 2 लाख क्षमता का मैदान होता तो वह मैदान भी कश्मीर के लोगों से खचाखच भरा होता। यह कश्मीर के लोगों में पीएम मोदी के लिए इस तरह का प्यार है।

संक्षिप्त समाचार

सरकार ने प्रेस की स्वतंत्रता पर नहीं लगाया प्रतिबंध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को एनडीटीवी डिफेंस समिट में कई मुद्दों पर बातचीत की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को मीडिया की स्वतंत्रता को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कहा कि आपातकाल के ष्काले अध्यायष को छोड़ दें तो भारत के लोकतंत्र के इतिहास में प्रेस की स्वतंत्रता पर कभी भी कोई प्रतिबंध नहीं देखा जा सकता।

सीएम ने चलो आदि कैलाश चलो' वीडियो को किया लॉन्च

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय देहरादून में गायिका शुभा मुद्गल द्वारा रचित गीत 'चलो आदि कैलाश चलो' म्यूजिक वीडियो को लॉन्च किया। सीएम ने कहा कि पीएम मोदी के उत्तराखण्ड प्रवास के दौरान दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में राज्य सरकार द्वारा पिथौरागढ़ स्थित आदि कैलाश एवं ओम पर्वत क्षेत्र में सैलानियों के लिए अवस्थापना विकास के विभिन्न कार्य गतिमान हैं।

चार धाम यात्रा के पूरे पैदल मार्ग पर लगेंगे सीसीटीवी कैमरे

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा–2024 की तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को सचिवालय देहरादून में चारधाम यात्रा – 2024 की तैयारियों के सम्बन्ध में आयोजित बैठक में प्रतिभाग करते हुए आगामी चारधाम यात्रा की तैयारियों एवं मॉनिटरिंग हेतु कमिटी गठित किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने चारों धामों में यातायात प्रबंधन के सुगम संचालन हेतु एसपी/एडिशनल एसपी रैंक के अधिकारी को नियुक्त किए जाने, सभी अधिकारी एवं विभागों में आपसी समन्वय से कार्य किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा बीते सालों की यात्रा में जो कमी एवं समस्याएं सामने आई हैं, उनके अनुभवों से, प्लानिंग से काम कर उन समस्याओं को इस वर्ष दूर किया जाए। संपूर्ण पैदल मार्गो एवं संवेदनशील इलाकों में सीसीटीवी लगाए जाए। उन्होंने कहा यात्रियों के साथ ही स्थानीय लोगों के हितों का भी ध्यान रखा जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खराब मौसम पूर्वानुमान की सूचना यात्रियों तक समय से पहुंचे। जिसके लिए यात्रियों के मोबाईल पर अलर्ट मैसेज की व्यवस्था की जाए। पैदल मार्गो की नियमित सफाई हो। यात्रा मार्गो पर शौचालय की संख्या भी बढ़ाई जाए। यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व ही चारों धामों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए।

मुख्यमंत्री ने चारधाम यात्रा हेतु बसों व टैक्सियों आदि की आवश्यकता के सम्बन्ध में आंकलन कर पूर्व में व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए। यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य संबंधित व्यवस्थाओं का विस्तार जल्द किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा घोड़े खच्चरों को होने वाली बीमारियों की रोकथाम हेतु पैदल मार्गों पर पशु चिकित्सकों की तैनाती की जाए।

अच्छा कार्य करने वालो को किया जाएगा सम्मानित

मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा सीजन में धामों एवं यात्रा मार्गो पर एसडीआरएफ, पुलिस बल, जल पुलिस, गोताखोर, ट्रैफिक पुलिस की तैनाती का प्रबन्धन किया जाए साथ ही जहां आवश्यकता हो वहां अस्थाई पुलिस चौकी की स्थापना भी की जाए। उन्होंने कहा यात्रा के दौरान अच्छा कार्य करने वाले लोगों/विभागों को सम्मानित किए जाएगा।

30 लाख नौकरी, ट्रेनी को एक लाख रुपये

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने बड़ा दांव चला है। राजस्थान के बांसवाड़ा में राहुल गांधी ने एक जनसभा भी की जहां कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने युवाओं के लिए पांच गारंटी का एलान किया है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार में 30 लाख नौकरी की गारंटी दी है। कांग्रेस ने कहा कि एक कैलेंडर जारी करेंगे और उसके अनुसार समयबद्ध तरीके से भर्ती की प्रक्रिया पूरी करेंगे। प्रत्येक डिप्लोमा होल्डर या कॉलेज ग्रेजुएट को पब्लिक या प्राइवेट सेक्टर की कंपनी में एक साल के अप्रेंटिसशिप देने के लिए एक नए प्रशिक्षुता अधिकार अधिनियम की गारंटी देती है। प्रशिक्षुओं को 1 लाख रुपए मिलेंगे।

राहुल गांधी ने कांग्रेस की सरकार बनने के बाद पेपर लीक से मुक्ति दिलाने का भी एलान किया। उन्होंन कहा कि कांग्रेस पेपर लीक को रोकने के लिए कानून बनाने की गारंटी देती है। कांग्रेस गिग इकॉनमी में हर साल रोजगार ढूंढने वाले लाखों युवाओं के लिए बेहतर वर्किंग कंडिशन और सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कानून लाने की गारंटी देती है।

पांच साल की अवधि के लिए देश के सभी जिलों में आवंटन की सुविधा के साथ कांग्रेस 5,000 करोड़ रुपये का एक कोष बनाएगी।

वादे

■राहुल गांधी ने किया पांच गारंटी का एलान

केंद्र सरकार पर निशाना

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक पोस्ट में लिखा कि पिछले 10 साल के अन्याय–काल को भयंकर बेरोजगारी संकट से समझा जा सकता है। इस अन्याय–काल ने लाखों शिक्षित और महत्वाकांक्षी युवाओं को अपना आर्थिक भविष्य बेहतर बनाने या राष्ट्र निर्माण में योगदान देने से वंचित कर दिया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

दून में दहशत का पर्याय बना गुलदार पकड़ा गया

संवाददाता

देहरादून। देहरादून में दहशत का पर्याय बने गुलदार को वन विभाग की टीम आखिरकार पकड़ने में कामयाब हुई है। गुलदार के पकड़े जाने के बाद स्थानीय निवासियों एवं वन विभाग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जनपद में बढ़ते गुलदार के हमलों के मद्देनजर वन विभाग को जल्द से जल्द गुलदार को पकड़ने के सख्त निर्देश दिए थे।

गौरतलब है कि करीब दो माह पूर्व सिगली गांव में घर के आंगन से गुलदार ने एक चार वर्षीय बच्चे को उठाकर निवाला बना लिया था। इसके कुछ समय बाद ही सोंधोवाली क्षेत्र में रिस्पना नदी के पास भी गुलदार ने एक बालक पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। अभी कुछ दिन पहले गलजवाड़ी गांव में भी गुलदार ने एक 9 वर्षीय बच्चे पर हमला कर उसे अपना निवाला बना लिया था।

मसूरी वन प्रभाग में रेंजर राकेश नेगी ने बताया कि गुलदार को किमाड़ी गांव में लगाए गए पिंजड़े में कैद कर लिया गया है।

मसूरी वन प्रभाग के किमाड़ी में पकड़ा गया गुलदार

न्यूज डायरी

ब्रिटेन में भारतीय मूल की महिला पर 10 साल की बेटी की हत्या करने का आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। 33 वर्षीय भारतीय मूल की महिला ब्रिटेन की एक अदालत में पेश हुई, जिस पर उसकी 10 वर्षीय बेटी की हत्या का आरोप है, जो इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के एक शहर में अपने घर पर मृत पाई गई थी। जसकीरत कौर, जिसे जैस्मीन कांग के नाम से भी जाना जाता है, शे कांग की हत्या के आरोप में वॉल्वरहैम्प्टन मजिस्ट्रेट कोर्ट के सामने पेश हुई, जिसे उसके स्कूल की ओर से श्रद्धांजलि के दौरान उज्ज्वल बच्ची बताया गया था। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने कहा कि लड़की को सोमवार को राउली रेजिस के एक पते पर चोटों के साथ पाया गया था और उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर डैन जेराट ने कहा, हमारी संवेदनाएं शे के परिवार और दोस्तों के साथ हैं। उनकी दुखद मृत्यु का उनके जानने वालों के साथ–साथ व्यापक समुदाय पर भी गहरा प्रभाव पड़ा है। हम अनुरोध करते हैं कि हमारी पूछताछ जारी रहने तक उन्हें निजी तौर पर शोक मनाने के लिए छोड़ दिया जाए। उन्होंने कहा, जो कुछ हुआ उससे समुदाय स्तब्ध रह गया है और हम आने वाले दिनों में क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति जारी रखेंगे और अपना समर्थन देंगे। कौर को उस आवासीय संपत्ति से गिरफ्तार किया गया था।

आर्कटिक में परिवर्तन का वहां के जीवों पर भी असर पड़ेगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कोलराडो। वो दिन दूर नहीं है जब आर्कटिक में बर्फ दिखना बंद हो जाएगी। एक नई स्टडी में ये पाया गया है कि जिस तरह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है, अगले 10 वर्षों में आर्कटिक में वो दिन आ सकता है जब बर्फ पूरी तरह से गायब हो जाएगी। ताजा स्टडी नेचर रिव्यू अर्थ एंड इनवायरनमेंट नामक जर्नल में प्रकाशित हुई है। शोधकर्ताओं ने कहा है कि ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन इसका सबसे बड़ा कारण है। इसके पहले आई स्टडी में ये कहा गया था कि साल 2050 के सितम्बर महीने तक आर्कटिक बिना बर्फ के हो सकता है जबकि सदी के आखिर में इसके कई महीनों या फिर पूरे साल तक बिना बर्फ के होने की संभावना है। अमेरिका की कोलरॉडो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने अनुमान लगाया है कि 2020 और 2030 के बीच अगस्त के आखिर या फिर सितम्बर के शुरुआत में आर्कटिक सागर आइस फ्री हो सकता है। शोधकर्ताओं ने आगे बताया कि आइस फ्री का मतलब ये नहीं कि बर्फ पूरी तरह से खत्म हो जाएगी। आइस फ्री शब्द का इस्तेमाल ऐसी स्थिति के लिए किया जाता है जब समुद्र में 10 लाख वर्ग किमी से कम हिस्से में बर्फ रह जाती है। हाल के वर्षों में सितम्बर के दौरान आर्कटिक सागर में 33 लाख वर्ग किमी क्षेत्र में बर्फ रिकॉर्ड की गई है।

भारतीय खाने की दीवानगी में दक्षिण अफ्रीका में खोल लिया रेस्तरां

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) केपटाउन। इस रेस्तरां का नाम 'बिहारी' है लेकिन मेनू में लिट्टी चोखा या चंपारन मीट नहीं मिलेगा बल्कि तंदूर में पकते सात किस्म के नान, देग पर चढ़ी दाल मखनी और थालियों में सज रहे बटर चिकन को देखकर उत्तर भारत का कोई ढाबा याद आता है। भारत से हजारों मील दूर दक्षिण अफ्रीका के इस खूबसूरत शहर में इस रेस्तरां में उमड़ी भीड़ भारतीय जायके की लोकप्रियता की बानगी देती है। बटर चिकन से लेकर बिरयानी और भुना गोश्त से लेकर लैंब विंडालू तक, सब कुछ यहां मिल जायेगा। दरवाजे पर स्वागत के लिये रॉयल बंगाल टाइगर की कलाकृति, दरवाजे पर और रिसेप्शन पर गणपति के वॉल स्टीकर, पार्श्व में बजते पुराने बॉलीवुड गीत और वेटर का नमस्कार के साथ अभिवादन। 'बिहारी' के कोने–कोने पर भारतीयता का अहसास है। न्यूलैंड्स स्टेडियम के पास सदर्न सन होटल में स्थित इस भारतीय रेस्त्रां के व्यंजनों का स्वाद ग्रीम स्मिथ से लेकर केशव महाराज तक और महेंद्र सिंह धोनी से लेकर विराट कोहली तक चख चुके हैं । लंदन में जन्मी डोन्ना रोस ने पंद्रह साल पहले न्यूलैंड्स में भारतीय खाने की तलाश में इस रेस्त्रां की शुरूआत की थी तो उन्होंने सोचा भी नहीं था कि एक दिन स्थानीय लोगों के साथ दक्षिण अफ्रीका और यहां दौरे पर आने वाले भारतीय क्रिकेटरों को भी इसका स्वाद इतना पसंद आयेगा।

घबराया पाकिस्तान, तालिबान के खिलाफ पहुंचा संयुक्त राष्ट्र

पाकिस्तान के पेशावर में गश्त लगा रहे टीटीपी आतंकी

रिपोर्ट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान के आतंकियों का पाकिस्तान के पेशावर शहर में गश्त लगाते हुए देखा गया है। टीटीपी आतंकियों ने एक वीडियो जारी करके खुद दिखाया है कि वे पेशावर की सड़कों पर गश्त लगा रहे हैं। ये आतंकी आरपीजी समेत भारी हथियारों से लैस हैं और पेशावर के वाहनों की जांच कर रहे हैं। पेशावर पाकिस्तान के खैबर पख्तनूख्वा राज्य की राजधानी है। अफगानिस्तान से सटे इस इलाके पर तालिबानी अपना दावा करते हैं। तालिबान समर्थकों का कहना है कि पेशावर अफगानिस्तान का हिस्सा है और सीमा रेखा डूरंड लाइन को वो नहीं मानते हैं। पाकिस्तान का दावा है कि तालिबान सरकार टीटीपी आतंकियों को पाल रही है जो उनके सैनिकों की जान ले रहे हैं।

टीटीपी आतंकी तालिबान की शह पर पाकिस्तान में भीषण हमले करके सैनिकों की जान ले रहे हैं। टीटीपी के इसी खतरे से घबराया पाकिस्तान अब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की शरण में पहुंच गया है। पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद से मांग की कि वह अफगानिस्तान की तालिबान सरकार पर दबाव डालने में मदद करे ताकि वह टीटीपी से अपने संबंध तोड़ ले। पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र में स्थायी प्रतिनिधि मुनीर अकरम ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह सुरक्षा परिषद पाकिस्तान के साथ आएगी और अफगान सरकार से मांग करेगी कि वह टीटीपी के साथ अपने रिश्ते तोड़ ले।

पाकिस्तानी प्रतिनिधि ने यह गुहार ऐसे समय पर लगाई है जब पिछले 6 साल में टीटीपी के हमले अपने चरम पर पहुंच गए हैं। इन हमलों में इस साल अब तक 1000 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। पाकिस्तान में हाल के महीनों में सुरक्षा बलों पर काफी ज्यादा हमले हुए हैं। ये आतंकी घातक हथियारों और उपकरणों से लैस रहते हैं। पाकिस्तान की सरकार लगातार तालिबान से टीटीपी को शरण देने से परहेज करने के लिए कह रही है लेकिन अफगान सरकार उसे भाव नहीं दे रही है।

बौखलाए पाकिस्तान ने लाखों की तादाद में अफगान शरणार्थियों को देश से निकाल दिया है। हालांकि इसका तालिबान पर कोई असर नहीं पड़ रहा है। तालिबान ने धमकी दी है कि वह सीमा को नहीं मानता है। पाकिस्तान ने सुरक्षा परिषद से कहा कि वह टीटीपी के सीमा पार से हमले और घुसपैठ को रुकवाने में मदद करे। पाकिस्तान ने टीटीपी को आधुनिक हथियार और पैसे मिलने की जांच करवाने की मांग की। पाकिस्तान का दावा है कि 50 हजार आतंकी और उनके परिवार वाले हैं जो अफगानिस्तान में शरण लिए हुए हैं।

पाकिस्तान ने दोस्त चीन को भी नहीं छोड़ा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान चीन के साथ अपनी मजबूत दोस्ती के किस्से खूब सुनाता है, लेकिन लगता है कि अब इस दोस्ती में दरार आ रही है। इसकी वजह है पाकिस्तानी की कंगाली, जिसके चलते चीन उसे अब अपना बोझ समझने लगा है। यही वजह है कि चीन की कंपनियां अब पाकिस्तान से अपना बोरिया बिस्तर समेट कर वापस भाग रहीं हैं।

दरअसल चीनी कंपनियों ने पाकिस्तान में जो निवेश किया है, उसे वापस निकालना मुश्किल हो रहा है। पाकिस्तान की सरकार ने ही ये कबूलनामा किया है कि पॉवर सेक्टर की चीनी कंपनियों ने इसी साल अपने निवेश में 17 करोड़ डॉलर निकाल लिया है। पाकिस्तान चीन को उसका पैसा नहीं दे पा रहा है या फिर वो जानबूझकर चीन को धोखा दे रहा है। पाकिस्तान की जनता तो ऐसा ही मानती है। पाकिस्तान की यूट्यूबर सना अमजद ने जब पाकिस्तान में आम लोगों से इस बारे में बात की तो जो जवाब सामने आए वो हैरान करने वाले थे।

सना ने इस बातचीत का वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया है। एक पाकिस्तानी नागरिक ने कहा कि चीन को पाकिस्तान से कुछ नहीं मिलने वाला है। ये सारा पैसा हुक्मरानों की जेब में जा रहा है।

पाकिस्तान में धूमधाम से मनेगी महाशिवरात्रि

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लाहौर। पाकिस्तान में महाशिवरात्रि समारोह में भाग लेने के लिए 62 हिंदू वाघा सीमा के रास्ते भारत से लाहौर पहुंचे है। इवेक्यू ट्रस्ट प्रापर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता आमिर हाशमी ने कहा कि महाशिवरात्रि समारोह में भाग लेने के लिए कुल 62 हिंदू तीर्थयात्री बुधवार को भारत से लाहौर पहुंचे। आमिर हाशमी ने कहा कि ईटीपीबी द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि का मुख्य समारोह नौ मार्च को लाहौर से लगभग 300 किलोमीटर दूर चकवाल में ऐतिहासिक कटास राज मंदिर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक नेता शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वाघा में धार्मिक स्थलों के अतिरिक्त सचिव राणा शाहिद सलीम ने विश्वनाथ बजाज के नेतृत्व में आए हिंदुओं का स्वागत किया। तीर्थयात्री 10 मार्च को लाहौर लौटेंगे और 11 मार्च को वे कृष्ण मंदिर, लाहौर किला और लाहौर के अन्य ऐतिहासिक स्थानों का दौरा करेंगे। वे 12 मार्च को भारत लौटेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार को पैसा दान नहीं दिया जा रहा: मस्क

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

■राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के अभियान को समाप्त करने की घोषणा

वाशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने बुधवार को घोषणा की है कि उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार को पैसे दान करने की कोई योजना नहीं है। एक्स पर एक पोस्ट में मस्क ने लिखा, बहुत स्पष्ट रूप से कहूं तो, मैं अमेरिकी राष्ट्रपति पद के किसी भी उम्मीदवार को पैसे दान नहीं कर रहा हूं। विशेष रूप से, मस्क की पोस्ट कथित तौर पर फ्लोरिडा में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात के दो दिन बाद आई है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, अरबपति और कुछ धनी रिपब्लिकन दानदाताओं ने एक निजी मामले पर चर्चा करने के लिए रविवार को फ्लोरिडा के पाम बीच में डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात की, बैठक के बारे में जानकारी देने वाले तीन लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया। इस बीच, ट्रम्प के सहयोगियों ने मस्क की सोशल मीडिया टिप्पणियों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। अतीत में, मस्क ने कई अन्य बिजनेस टाइटन्स की तरह, रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों के लिए योगदान दिया है।

न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, उन्होंने अन्य अमेरिकी अरबपतियों के विपरीत, राष्ट्रपति अभियान में भारी निवेश नहीं किया है और पिछले कुछ वर्षों में, उन्होंने अपने योगदान को रिपब्लिकन और डेमोक्रेट के बीच लगभग समान रूप से विभाजित किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की दौड़ के संबंध में एक ताजा घटनाक्रम में, रिपब्लिकन उम्मीदवार, निक्की हेली ने बुधवार को औपचारिक रूप से अपने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के अभियान को समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने दक्षिण कैरोलिना में कहा, अब मेरे अभियान को निलंबित करने का समय आ गया है। मैंने कहा था कि मैं चाहती थी कि अमेरिकियों की आवाज सुनी जाए। मैंने ऐसा किया है। मुझे कोई पछतावा नहीं है। निक्की हेली ने अपने राष्ट्रपति अभियान को समाप्त करने की घोषणा के दौरान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई दी, लेकिन उनका समर्थन नहीं किया।

जेलेंस्की ने पेश किया शांति फॉर्म्युला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कीव। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 2 साल से भी ज्यादा समय से लड़ाई जारी है और दोनों ही देशों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। इसमें जहां अरबों डॉलर के हथियार तबाह हो गए, वहीं हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इस जंग को खत्म करने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक 10 सूत्री शांति फॉर्म्युला दिया है। अमेरिका समेत पश्चिमी देश चाहते हैं कि स्विटजरलैंड में होने वाली बैठक से पहले भारत और अन्य विकासशील देश इस शांति फार्मूले का समर्थन करें। वहीं रूस का कहना है कि यह शांति फार्मूला एकतरफा है। विश्लेषकों का कहना है कि रूस के साथ दोस्ती की वजह से पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी इस बात की संभावना नहीं है कि भारत जेलेंस्की के इस फार्मूले का समर्थन करे। जेलेंस्की के इस शांति फार्मूले को पेश किया जाएगा।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

पोलिंग स्टेशनों पर मतदान सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जनपद चमोली में चुनाव तैयारियों का लिया जायजा

निरीक्षण

संवाददाता

चमोली। जनपद में आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 की तैयारियां जोरों पर है। चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी रूप से संपादित कराए जाने को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बृहस्पतिवार को जनपद चमोली में निर्वाचन के लिए नियुक्त सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं नोडल अधिकारियों की बैठक लेते हुए चुनाव तैयारियों की समीक्षा की।

तहसील सभागार कर्णप्रयाग में आयोजित बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि स्वीप कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाते हुए आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन में जनपद में मतदान प्रतिशत को बढाया जाए। विगत चुनावों में कम मतदान वाले बूथों पर विशेष रूप से जागरूकता अभियान चलाया जाए। ऐसे प्रवासी मतदाता जो राज्य में या राज्य से बाहर रह रहे है, उनसे संपर्क करते हुए अपने बूथ पर मतदान के लिए बुलाया जाए। बुजुर्ग, दिव्यांग तथा महिला मतदाताओं को जागरूक किया जाए। बूथ स्तर पर बीएलओं के माध्यम से प्रत्येक मतदाता से संपर्क बनाते हुए मतदान के लिए प्रेरित किया जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निर्वाचन ड्यूटी में लगने वाले पुलिस एवं प्रशासन के कार्मिकों, वाहन चालको को भी मतदान की सुविधा हेतु समय पर पोस्टल बैलेट अथवा इलेक्शन ड्यूटी सर्टिफिकेट जारी किया जाए, ताकि ड्यूटी पर तैनात कोई भी कार्मिक वोट देने से न छूटे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि सेक्टर एवं पुलिस अधिकारी मिलकर जिले में चिन्हित सभी वल्नरेबल एरिया एवं क्रिटिकल बूथों पर मौजूदा स्थिति का अच्छी तरह से विश्लेषण कर लें। सुरक्षा के दृष्टिगत उन्होंने पुलिस को जनपद सीमाओं पर सीसीटीवी लगाने के निर्देश दिए। एफएसटी, एसएसटी, आबकारी, पुलिस एवं संबंधित विभागों को अवैध शराब, मादक पदार्थों, शस्त्रों, नकदी के विरूद्ध की जाने वाली कार्यवाही को निर्धारित पोर्टल पर समय से अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय जन मुद्दों का समय पर निस्तारण करते हुए चुनाव की सभी तैयारियां पूरी की जाए। इस दौरान उन्होंने समस्त अधिकारियों एवं कार्मिकों को मतदाता शपथ भी दिलाई।

बैठक के उपरांत मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने कर्णप्रयाग में स्थित विभिन्न पोलिंग स्टेशनों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए मतदान व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया। मतदेय स्थल राइका कर्णप्रयाग में उन्होंने बीएलओं से पंजीकृत वोटर्स एवं प्रवासी वोटर्स की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि प्रवासी वोटर्स को वोटिंग के दिन अपने बूथ पर मतदान के लिए बुलाया जाए। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से वार्ता भी की।

न्यूज डायरी

रंवाई की शिव शक्ति शिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव महात्मय पत्रिका का हुआ विमोचन

संवाददाता पुरोला। रवांई घाटी के रामा सिराईं,कमल सिराईं के आस्था के केंद्र व शिव शक्ति सिद्धपीठ कमलेश्वर महादेव की महिमा सहित क्षेत्र की वरदायिनी कमल नदी का उद्गम स्थल कमलेश्वर महादेव मंदिर पर संकलित श्री कमलेश्वर महादेव महात्मय पत्रिका का गुरूवार को एक समारोह में साहित्यकारों गणमान्य क्षेत्र वासियों की मौजूदगी में विमोचन किया गया है। विमोचन अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष सतेंद्र राणा ने कमलेश्वर महादेव मंदिर व कमल नदी की रवांई घाटी के खास कर रामा व कमल सिराईं के लिए वरदान के साथ ही जौनपुर, जौनसार क्षेत्र का मुख्य देव स्थल व आस्था का केंद्र बताया तथा पत्रिका को शिव महात्मय के साथ ही यंहा के ऐतिहासिक,सांस्कृतिक परम्पराओ के प्रचार प्रसार को महत्वपूर्ण व जनउपयोगी बताया।

'"फिट पुरोला मूवमेंट"' के तहत मैराथन का किया गया आयोजन

संवाददाता पुरोला। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई पुरोला द्वारा छात्रसंघ अध्यक्ष की अगुवाई में '"फिट पुरोला मूवमेंट"' के तहत मैराथन का आयोजन किया गया। इस मौके पर उन्होंने क्षेत्र के लोगों से मैराथन में अधिक से अधिक प्रतिभाग करने की अपील कि। उन्होंने कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले सभी प्रतिभागियों धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष मोहन कठैत ने सभी युवाओं से नशे को ना कह कर खेलों को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की। साथ ही अपने आसपास नशे में लिप्त लोगों के बारे में पुलिस को सूचना देने की अपील की तथा ऑनलाइन फ्रॉड के बारे में लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम का संचालन केशव चौहान ने किया।

माइक्रोन एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की ने साझेदारी बनाई

संवाददाता देहरादून। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता के लक्ष्य का समर्थन करने व समग्र इलेक्ट्रॉनिक्स पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रूड़की ने नवाचार को बढ़ावा देने एवं उच्च कुशल स्थानीय कार्यबल विकसित करने में सहायता हेतु माइक्रोन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। एमओयू पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की के निदेशक प्रो. के. के. पंत एवं माइक्रोन इंडिया के प्रबंध निदेशक श्री आनंद राममूर्ति ने हस्ताक्षर किए और इसके बाद आईआईटी रूड़की के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग में माइक्रोन सेमीकंडक्टर लैब का उद्घाटन किया गया।

आचार संहिता की जानकारियों का अध्ययन कर लें अधिकारी

संवाददाता रुद्रप्रयाग। आगामी लोक सभा सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्याम सिंह राणा ने नोडल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि हर बूथ की निर्वाचन संबंधित पूरी जानकारी हासिल कर लें। उन्होंने नोडल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों को परस्पर संवाद बनाने की सलाह देते हुए अधिकारियों से उनके अनुभव भी सुने।

जिलाधिकारी जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में विकास भवन सभागार में नोडल एवं सेक्टर अधिकारियों तथा डीएलएमटी व एएलएमटी की मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट पर आयोजित बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के पांचों जोनल एवं सभी सेक्टर अधिकारियों से बूथवार जरूरी सुविधाओं की जानकारी मांगी। उन्होंने गत चुनावों में कम मतदान प्रतिशत वाले पोलिंग बूथों पर मतदान प्रतिशत वृद्धि के लिए जागरूकता कार्यक्रम एवं मतदाताओं से सम्पर्क स्थापित करने को कहा। उन्होंने बूथ सर्वे पर जोर देते हुए पिचासी प्लस, पीडब्ल्यूडी एवं धातृ महिला मतदाताओं को भी सूचीबद्ध करने के लिए भी बैठक में निर्देश दिए।

मॉडल कोड आफ कंडक्ट पर जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शिता निर्वाचन के लिए जो प्राविधान निर्धारित किए गए हैं उनका अक्षरशः पालन करना होगा। सभी अधिकारी आदर्श आचार संहिता की जानकारियों का भली–भांति अध्ययन कर लें।

लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव के पूर्व पुलिस व सुरक्षाबल मुस्तैद

संवाददाता पुरोला। लोक तंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव के शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव के संदेश के साथ गुरुवार को पुरोला नगर क्षेत्र में पुलिस व भारतीय तिब्बत बॉर्डर पुलिस आदि सुरक्षा बलों ने संयुक्त फ्लैग मार्च का आयोजन किया। पुरोला बस स्टैंड से कुमोला रोड,मुख्य बाजार,कोर्ट रोड से मोरी रोड तक पुलिस क्षेत्राधिकारी एसएस भंडारी के नेतृत्व में संयुक्त फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च के माध्यम से सुरक्षाबलों ने आगामी लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष,भयमुक्त व शांतिपूर्ण बनाने का आह्वान कर जनमानस से लोक तंत्र के महा पर्व लोकसभा चुनाव में अधिकाधिक प्रतिभाग कर वोट डालने की अपील की। कार्यक्रम में उनके साथ थानाध्यक्ष मोहन कठैत मय पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

महिला आरोग्य पर चर्चा लिंगानुपात जागरूकता पर जोर

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संवाददाता रुद्रप्रयाग। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में जनपद में 21 आयुष्मान आरोग्य मंदिर में आयोजित सास–बहू–पति सम्मेलनों में महिला स्वास्थ्य व पोषण से जुड़े मसलों पर विशेष चर्चा की गई। वहीं, लिंगानुपात जागरूकता पर आयोजित कार्यशाला में लिंगानुपात संतुलन की दिशा में सरकारी प्रयासों को साकार करने के लिए सामाजिक स्तर पर जागरूकता बढाने पर जोर दिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मर्तोलिया के निर्देशन में पीसीपीएनडीटी कार्यक्रम के अंतर्गत घटते लिंगानुपात विषय पर तीनों ब्लाकों के ब्लाक समन्वयक व आशा फेसिलिटेटर की कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रतिभागियों को लैंगिक असमानताओं व लिंग आधारित चुनौतियों के खात्में के खिलाफ जागरूकता व अन्य गतिविधियों को और अधिक प्रभावी तरीके से चलाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि घटते लिंगानुपात को कम करने उद्देश्य से गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रसव पूर्व एवं गर्भस्थ शिशु के लिंग चयन प्रक्रिया को निषेध कर दिया गया है, भ्रूण के लिंग परीक्षण के लिए गर्भवती महिला को प्रेरित करना व दबाव डालना, लिंग जांच में सहयोगी बनना, लिंग जांच करना या करवाने को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। उन्होने बताया कि इस अधिनियम के अंतर्गत दोषी पाए जाने पर पांच वर्ष की सजा अथवा एक लाख का जुमार्ना या दोनों वहीं चिकित्सक के लिए 5 वर्ष की कैद, अर्थदंड व पंजीकरण रद्द करने का प्रावधान है। इसके अलावा परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 21 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में सीएचओ द्वारा सास–बहु–पति सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मुख्यालय पर गरजे राज्य कर कर्मचारी

संवाददाता देहरादून। मिनिस्ट्रियल कर्मचारियों के ढांचे को संशोधित कर पदों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर राज्य कर मिनिस्ट्रियल स्टाफ एसोसिएशन ने मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए विरोध जताया। आरोप लगाया कि कर्मारियों की समस्याओं के प्रति लगातार लापरवाही की जा रही है। गुरूवार सुबह शाखा अध्यक्ष कैलाश सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में कर्मचारियों ने मुख्यालय के बाहर गेट मीटिंग की। बिष्ट ने कहा कि कर्मचारी अपनी जायज मांगों को पूरा करवाने के लिए भी आंदोलन करना पड़ रहा है। अफसरों के ढांचे में अब तक तीन बार बदलाव किया जा चुका है। लेकिन कर्मचारियों के बारे में नहीं सोचा जा रहा है। पदों की संख्या कम होने से कर्मचारियों पर अत्यधिक भार बढ़ता जा रहा है। अधिकारियों ने प्रस्ताव तो जरूर शासन को भेज दिया है, लेकिन उसे लागू कराने के लिए पैरवी नहीं की जा रही।

हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। – अज्ञात

पेज थ्री
www.page3news.in

भाषाई संकीर्णता

ये मामले चल रहे हैं और हो सकता है सुप्रीम कोर्ट इन्हें खारिज कर दे। दूसरी बात यह कि कर्नाटक में मामला स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के मौके मुहैया कराने भर का नहीं लगता। जिस तरह से ये कदम उठाए और प्रचारित किए जा रहे हैं, उससे भाषाई भावनाओं के भड़कने का साफ खतरा है।

गुलशन राय खत्री।।

कर्नाटक सरकार एक ऐसा कानून लाने जा रही है, जिसके मुताबिक कंपनियों को नोटिस बोर्ड पर प्रमुखता से अपने कन्नडिगा कर्मचारियों की संख्या प्रदर्शित करनी होगी। इस खबर ने कई हलकों में ठीक ही चिंता पैदा की है।

प्रस्तावित कानून की गंभीरता तो अपनी जगह है ही, ध्यान देने लायक बात यह भी है कि इसकी जानकारी सबसे पहले विधानसभा में एक और बिल पर चर्चा के दौरान सामने आई। वह बिल जो 15 फरवरी को पारित किया जा चुका है, व्यवसायों के लिए 60 फीसदी साइनबोर्ड कन्नड भाषा में रखना अनिवार्य बनाता है। दूसरी बात यह भी बताई गई है कि सरकार 'कन्नडा कवालू' नाम का एक मोबाइल ऐप लॉन्च करने वाली है, जो नागरिकों के लिए भाषाई भेदभाव की शिकायत करना आसान बनाएगा।

इन तमाम कदमों को समग्रता में देखें तो साफ है कि ये भाषाई भावनाओं पर आधारित संकीर्ण राजनीति को बढ़ावा देने वाले हैं। इस तरह की राजनीति किसी पार्टी को खास इलाके में थोड़े समय के लिए लोकप्रियता भले दे दे, लंबे समय में किसी का भला नहीं कर पाती। महाराष्ट्र से लेकर असम तक अतीत के अनुभवों से इसकी पुष्टि होती है। निश्चित रूप से लगभग हर प्रदेश और क्षेत्र में स्थानीय युवाओं की बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा है। लेकिन इसका हल क्षेत्र और भाषा के आधार पर स्थानीय भावनाओं को भड़काने में नहीं है, न ही देश के दूसरे हिस्से से आ रहे लोगों के खिलाफ माहौल बनाने में है। बल्कि, इससे बाहर से निवेश और टैलंट आने का सिलसिला बंद होने का खतरा है, जिससे उस राज्य की विकास संभावनाएं ही नहीं, रोजगार के मौके भी प्रभावित हो सकते हैं।

यह बात सही है कि हाल के वर्षों में बेरोजगारी के मुद्दे को स्थानीय संदर्भों में देखने की प्रवृत्ति तेज हुई है। कई राज्य सरकारों ने स्थानीय युवाओं के लिए प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में रिजर्वेशन की घोषणा की थी।

मिसाल के तौर पर हरियाणा (75 फीसदी), महाराष्ट्र (80 फीसदी तक), आंध्र प्रदेश (75 फीसदी) और मध्य प्रदेश (70 फीसदी) के नाम लिए जा सकते हैं। लेकिन किसी तुलना में जाने से पहले दो बातों पर गौर करने की जरूरत है। पहली तो यह कि स्थानीय आरक्षण से जुड़े इन ज्यादातर मामलों को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा चुकी है। ये मामले चल रहे हैं और हो सकता है सुप्रीम कोर्ट इन्हें खारिज कर दे। दूसरी बात यह कि कर्नाटक में मामला स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के मौके मुहैया कराने भर का नहीं लगता। जिस तरह से ये कदम उठाए और प्रचारित किए जा रहे हैं, उससे भाषाई भावनाओं के भड़कने का साफ खतरा है। उम्मीद करनी चाहिए कि सरकार इन खतरों को लेकर सचेत होगी और हालात को उस तरफ नहीं जाने देगी।

कौमार्य नष्ट

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। मत्स्यगंधा ने उत्तर दिया, "महर्षे, आप यह कैसी बातें कर रहे हैं ? दोपहर का समय है। आसपास लोग बैठे हुए हैं, मैं आपके साथ रमण कैसे कर सकती हूं ?" पराशर जी ने योगशक्ति से चारों ओर कुहरा पैदा करदिया। और बोले, "अब हमें कोई नहीं देख सकेगाद्य तू निश्चिंत होकर मेरे प्रस्ताव को स्वीकार कर ले।" मत्स्यगंधा पुनः बोल उठी, "महर्षे, मैं कुमारी हूंद्य पिता की आज्ञा के अधीन हूं। आपके साथ रमण करने से मेरा कौमार्य नष्ट हो जाएगा। मैं समाज में लांछित बन जाऊंगी।" पराशर जी ने उत्तर दिया, "तुम चिंता मत करो द्य मुझसे रमण करने के पश्चात भी तुम्हारा कौमार्य बना रहेगाद्य गर्भवती होने पर भी गर्भ का चिह्न प्रकट नहीं होगा।" मत्स्यगंधा फिर बोली, "एक बात और मेरे शरीर से मछली की सी गंध निकलती है।

संपादकीय

बिहार से शुरुआत

उप–मुख्यमंत्री की परंपरा भी पुरानी है। बिहार में 1946 से 1957 तक उप–मुख्यमंत्री रहे अनुग्रह नारायण सिंह से इसकी शुरुआत मानी जा सकती है। लगभग उसी समय राजस्थान में टीकाराम पालीवाल और पटियाला एंड ईस्ट पंजाब स्टेट यूनियन (अब पंजाब) में ब्रिशभान उप मुख्यमंत्री रहे। जिस संविधान को हमारे तमाम नेता सर्वोपरि बताते नहीं थकते, उसकी भावनाओं के अपेक्षित सम्मान का भी तकाजा है कि उप–मुख्यमंत्री पद रेवड़ियों की तरह बांटे जाने की प्रवृत्ति पर पूर्ण विराम लगे। चौधरी देवीलाल एकमात्र राजनेता रहे, जो चंद महीनों वाली दो सरकारों में उप–प्रधानमंत्री रहे। पहले, विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार में और फिर उसके बाद बनी चंद्रशेखर की सरकार में। देवीलाल ने इतिहास इस रूप में भी बनाया कि राष्ट्रपति वेंकट रमण द्वारा टोके जाने के बावजूद मंत्री के बजाय उप–प्रधानमंत्री पद पढ़कर शपथ ली। अदालत में चुनौती दी गई तो अटॉर्नी जनरल सोली सोराबजी को सुप्रीम कोर्ट में कहना पड़ा कि उप–प्रधानमंत्री नाम का कोई पद नहीं है, और देवीलाल मंत्रिमंडल में एक मंत्री की तरह ही काम करेंगे।

फिर यह सब चल कैसे रहा है? जाहिर है, सभी राजनीतिक दल सत्ता के ही खिलाड़ी हैं। इसीलिए वैचारिक मतभेदों के दावों के बावजूद उनमें सत्ता के ऐसे खेल पर मौन सहमति है।

जीत का फॉर्म्युला

राज कुमार सिंह।।

संविधान में उप–मुख्यमंत्री जैसा कोई पद नहीं है। फिर भी देश के कई राज्यों में उप–मुख्यमंत्री का पद दिया गया है। आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा पांच उप–मुख्यमंत्री हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मेघालय, नगालैंड में दो–दो उप–मुख्यमंत्री हैं, जबकि हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अरुणाचल में एक–एक उप–मुख्यमंत्री। ऐसा भी नहीं माना जा सकता कि किसी प्रदेश के बड़े आकार के मद्देनजर जनता को बेहतर शासन देने के मकसद से उप–मुख्यमंत्री का पद गढ़ा जाता है। 42 लोकसभा सीटों वाले पश्चिम बंगाल में एक भी उप–मुख्यमंत्री नहीं है, जबकि मात्र 11 लोकसभा सीटों वाले छत्तीसगढ़ में दो उप–मुख्यमंत्री हैं।

राजनीतिक वरिष्ठता और गठबंधन राजनीति के दबावों से बनी जो व्यवस्था कभी अपवादस्वरूप नजर आती थी, वह अब सत्ता के बंदरबांट का फॉर्म्युला बन गई है। एक ही दल को स्पष्ट बहुमत मिलने पर भी उप–मुख्यमंत्री बना कर क्षेत्रीय और जातीय समीकरण साधते हुए चुनावी बिसात बिछाई जा रही है। मुख्यमंत्री एक वर्ग का बनाकर अन्य प्रमुख वर्गों से उप–मुख्यमंत्री बना देने को चुनावी जीत का नया फॉर्म्युला मान लिया गया है। सवाल है कि क्या किसी खास जाति या समूह का हित उस जाति या समूह का व्यक्ति ही कर सकता है कोई और नहीं? यह भी कि क्या उसके लिए पद नाम उप–मुख्यमंत्री होना भी जरूरी है? हालांकि ऐसी सोच संविधान के तहत ली जाने वाली उस शपथ की भावना के खिलाफ है, जिसमें बिना किसी राग–द्वेष के सबके प्रति समान भाव रखते हुए दायित्व निर्वाह की बात कही जाती है।

फिर यह सब चल कैसे रहा है? जाहिर है, सभी राजनीतिक दल सत्ता के ही खिलाड़ी हैं। इसीलिए वैचारिक मतभेदों के दावों के बावजूद उनमें सत्ता के ऐसे खेल पर मौन सहमति है। देश में इस समय जो 26 उप–मुख्यमंत्री हैं, उनमें से सबसे ज्यादा 15 छक। के हैं। इनमें भी 13 BJP के। राष्ट्रीय राजनीति में हाशिये पर जा चुकी कांग्रेस के तीन उप–मुख्यमंत्री हैं।

राजनीतिक दलों में मौन सहमति के बावजूद कुछ जागरूक संस्थाएं और जनसंगठन ऐसी प्रवृत्तियों को अदालत में चुनौती देते रहते हैं। उप–मुख्यमंत्री पद के विरुद्ध भी देश की सर्वोच्च अदालत में जनहित याचिका दायर की गई, लेकिन परिणाम कुछ खास नहीं निकला– सिवाय इस टिप्पणी के कि संविधान में इस पद का प्रावधान न होने के बावजूद यह प्रवृत्ति असंवैधानिक नहीं है। बेशक सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि अतिरिक्त राजनीतिक महत्व देने के लिए भले ही किसी को उप–मुख्यमंत्री कह दिया जाए, पर वास्तव में वह होता मंत्री ही है। वह किसी अतिरिक्त अधिकार या सुविधा का पात्र नहीं होता।

बहरहाल, यह कोई नई या हाल में उभरी प्रवृत्ति नहीं है। उप–मुख्यमंत्री ही नहीं, उप–प्रधानमंत्री पद की परंपरा भी भारतीय राजनीति में पुरानी है। स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के साथ सरदार वल्लभभाई पटेल उप–प्रधानमंत्री बनाए गए थे। लंबी गुलामी के बाद आजाद हुए और विभिन्न रियासतों में बंटे भारत की चुनौतियां जटिल थीं।

सूडोकू नवताल- 5208

★★★★★ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -5207 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

अपना ब्लॉग

पटेल को ओहदा

मोहन। शायद उन स्थितियों का भी तकाजा रहा हो कि प्रधानमंत्री नेहरू के साथ सरदार पटेल के रूप में एक अनुभवी परिपक्व राजनेता मंत्रिमंडल में दूसरे क्रम पर रहे। हालांकि उप–प्रधानमंत्री पद नाम तो निश्चय ही सम्मान के रूप में दिया गया होगा। सरदार पटेल 15 अगस्त, 1947 से 15 दिसंबर, 1950 तक उप–प्रधानमंत्री रहे, पर उसके बाद भी उच्च सत्ता महत्वाकांक्षाओं वाले राजनेताओं में संतुलन की खातिर इस पद नाम का उपयोग किया जाता रहा। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो किसी को उप–प्रधानमंत्री नहीं बनाया, लेकिन बीजेपी के ही प्रधानमंत्री रहे अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने कार्यकाल के उत्तरार्ध में 29 जून, 2002 से 22 मई, 2004 तक लालकृष्ण आडवाणी को उप–प्रधानमंत्री बनाया था। भारत में अभी तक सात उप–प्रधानमंत्री रहे हैं। जनता पार्टी के शासनकाल में ऐसा समय भी आया, जब प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई को चौधरी चरण सिंह और जगजीवन राम के रूप में दो–दो उप–प्रधानमंत्री बनाने पड़े। वैसे खुद मोरारजी, 13 मार्च,1967 से 19 जुलाई, 1969 तक प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के साथ उप–प्रधानमंत्री रह चुके थे।

आशिकी 3 को लेकर इतने खुश दिखे थे कार्तिक आर्यन

पिछले कुछ दिनों से श्आशिकी 3श्को लेकर जो खबरें आ रही थी अब उनपर विराम लगता दिख रहा है। दरअसल हाल ही में आशिकी 3 के बनने को लेकर खबरें आई थी और कहा गया था कि इस फिल्म में कार्तिक आर्यन लीड रोल में होंगे। चर्चा थी कि इस फिल्म का प्रॉडक्शन टी–सीरीज कर रही, लेकिन अब सबकुछ दूध का दूध और पानी का पानी हो चुका है। टी–सीरीज ने इस अफवाह पर अपनी तरफ से सफाई देते हुए कहा है कि उनकी कंपनी आशिकी की फ्रेंचाइजी के प्रॉडक्शन या डेवलपमेंट के काम से जुड़ी नहीं है। कहा गया है कि इस फिल्म की फ्रेंचाइजी से कंपनी के जुड़ने की ये खबरें कोरी अफवाहें हैं। वहीं, कंपनी ने ये भी कहा है कि अगर भविष्य में उनकी कंपनी इसका प्रॉडक्शन करती भी है तो टी–सीरीज इसे जॉइंट ओनर के तौर पर विशेष फिल्म्स मुकेश भट्ट के साथ मिलकर बनाएगी। कंपनी ने ये भी कहा है फिल्म आशिकी 3 का प्रॉडक्शन टी–सीरीज द्वारा एक भी अलग टाइटल से नहीं किया जा रहा है। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित हमारी प्रपोज की गई फिल्म न तो आशिकी 3 है और न ही आशिकी फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। हालांकि श्वरायटी मैग्जीनश् से बातें करते हुए एक बार कार्तिक आर्यन ने कहा था कि ये क्लासिक फ्रेंचाइजी फिल्म उनमें से है जिसे देखकर मैं बड़ा हुआ हूं और आशिकी 3 में काम करना किसी सपने के सच होने जैसा है।

धड़ाधड़ हो रही अजय देवगन और माधवन की शैतान की एडवांस बुकिंग

बॉलीवुड के दो धांसू और धुरंधर एक्टर्स अजय देवगन और आर माधवन अगली फिल्म शैतान में साथ नजर आ रहे हैं। दोनों सितारे एक अलग अंदाज में एक लाजवाब कहानी लेकर अपने दर्शकों के सामने इसी शुक्रवार को यानी 8 मार्च को आनेवाले हैं। शैतान 8 मार्च को रिलीज हो रही है और इस फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। जैसा कि इस फिल्म के टाइटल से ही साफ है कि ये कहानी किसी शैतान के आतंक की है। विकास बहल के निर्देशन में बनी इस फिल्म के ट्रेलर ने ही ऑडियंस के बीच गजब का भौकाल मचा रखा है और उम्मीद की जा रही है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जरूर बढ़िया परफॉर्म कर सकती है। बताया जा रहा है कि ये फिल्म 60 से 65 करोड़ के बजट में तैयार हुई है। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ था जिसके बाद फैन्स की बेसब्री इस फिल्म को लेकर काफी बढ़ गई है। फिल्म की कहानी एक ऐसे परिवार की है, जो हंसी–खुशी अपनी फैमिली के साथ एक आलिशान महल जैसे घर में रहता है।

शुरू हुई रुस्तम अली चिस्ती की फिल्म शादी एक रात की शूटिंग

डायरेक्टर–प्रोड्यूसर रुस्तम अली चिस्ती की अपकमिंग भोजपुरी फिल्म शादी एक रात की का शूटिंग शुरू हो गयी है। इस फिल्म में सुपर स्टार यश कुमार मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी बेहद अनोखी है। इसकी शूटिंग बड़े जोर शोर से चल रही है और फिल्म का निर्माण भी बिग स्केल पर किया जा रहा है। फिल्म को लेकर रुस्तम अली चिस्ती ने बताया कि यह फिल्म नाम के अनुसार ही बेहतरीन प्लाट पर बन रही है। उम्मीद है दर्शकों को हमारी फिल्म पसंद आएगी। फिल्म में यश कुमार हैं, जो अपने यूनिक अभिनय और सब्जेक्ट वाली फिल्में के लिए फेमस हैं। वो इस फिल्म में भी एक अलग और नायाब अंदाज में नजर आयेंगे। फिल्म की कहानी से लेकर संवाद तक सभी दर्शकों को पसंद आने वाले हैं। वहीं, फिल्म को लेकर यश कुमार ने कहा कि फिल्म शादी एक रात की उन अच्छी कहानी वाली फिल्मों में होगी, जिसे लोग बार बार देखना चाहेंगे। इस फिल्म में मेरी भूमिका अलग है। इसके लिए मैं उत्साहित हूं और खूब मेहनत भी कर रहा हूं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और सेट पर हम एक बड़े फिल्म की कहानी को टाइम लाइन पर उतार रहे हैं। उन्होंने कहा कि भोजपुरी फिल्मों में जो कंटेंट प्रधान फिल्मों की बाढ़ आई है। उसमें हर रोज एक नयी चुनौती होती है अच्छी फिल्मों के साथ जुड़ना और उसमें काम करना।

ब्रेकअप के बाद साथ काम करने में असहज थे सलमान और कटरीना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एक समय था जब सलमान खान और कटरीना कैफ एक–दूसरे को डेट कर रहे थे, पर जब फिल्म श्एक था टाइगरश शुरू होने वाली थी, तो उससे पहले ही उनका ब्रेकअप हो गया था। इसके बावजूद दोनों ने साथ काम किया। हालांकि सलमान और कटरीना उस वक्त साथ काम करने में सहज नहीं थे। यह खुलासा श्एक था टाइगरश के डायरेक्टर कबीर खान ने किया है। कबीर खान ने यह भी बताया कि उन्होंने फिल्म के लिए सलमान को कैसे कास्ट किया था।

एक था टाइगर के वक्त कैसा था माहौल

कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा जल्द ही मैशेबल इंडिया पर अपना पॉडकास्ट लेकर आ रहे हैं, जिसमें उन्होंने Kabir Khan, फराह खान, इम्तियाज अली, हंसल मेहता और राज एंड डीके को बुलाया। हाल ही इसका प्रोमो रिलीज किया गया, जिसमें कबीर खान अपनी फिल्म श्एक था टाइगरश और सलमान व कटरीना के बारे में बात करते नजर आए।

असहज थे सलमान और कटरीना

कबीर खान ने बताया कि कैसे उन्होंने टाइगर के रोल के लिए Salman Khan को कास्ट किया। हालांकि, जब वह जोया के किरदार के लिए कटरीना कैफ के नाम पर विचार कर रहे थे, तो उन्होंने सलमान से संपर्क किया। कबीर ने बताया, यह वो

फेज था, जहां उनका (सलमान और कटरीना) ब्रेकअप हो गया था और वो उतने सहज नहीं थे।

सलमान-कटरीना का अब कैसा है बॉन्ड?

मालूम हो कि सलमान और कटरीना की लव स्टोरी 2005 में शुरू हुई थी। दोनों ने साथ में कई फिल्मों में काम किया था। धीरे–धीरे वो एक–दूसरे से प्यार करने लगे और फिर इश्क के चर्चे बॉलीवुड के गलियारों में फैल गए। पर साल 2010 में कटरीना और सलमान का ब्रेकअप हो गया। बाद में कटरीना को रणबीर कपूर से प्यार हो गया और सलमान सिंगल ही रह गए। भले ही तब सलमान और कटरीना के बीच असहजता रही हो, पर आज दोनों अच्छे दोस्त हैं और साथ काम कर रहे हैं।

संदीप रेड्डी वांगा ने एनिमल की सक्सेस के लिए मुंडवाया सिर

एनिमलश के डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने तिरुमाला मंदिर में बाल दान कर दिए। उन्होंने अपना सिर मुंडवा लिया और दाढ़ी भी कटवा ली है। साल 2023 में रिलीज हुई एनिमल ने कई रिकॉर्ड बनाए थे और छप्परफाड़ कमाई की थी। संदीप रेड्डी वांगा अब स्पिरिट और श्एनिमल पार्कश में बिजी हैं।

संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म श्एनिमलश साल 2023 की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक रही। रणबीर कपूर और बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म ने ग्लोबली 900 करोड़ रुपये से अधिक कमाए और कई रिकॉर्ड बनाए। यही नहीं, एनिमल संदीप रेड्डी वांगा और रणबीर कपूर के करियर की सबसे बड़ी हिट साबित हुई। इस सफलता के जश्न के लिए संदीप रेड्डी वांगा ने हाल ही अपने बाल दान कर दिए। उन्होंने आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में सिर मुंडवा लिया। इसका वीडियो भी सामने आया है। संदीप रेड्डी वांगां मंदिर में प्रार्थना करने के बाद बाहर निकलते हुए देखे गए। बाहर आए तो वह गंजे थे, जिसका मतलब था कि उन्होंने अपने बाल मंदिर में चढ़ाए हैं। यही नहीं, उन्होंने अपनी दाढ़ी भी पूरी तरह कटवा दी है। संदीप रेड्डी वांगा मंदिर में कुछ फैंस से भी मिले, और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं।

संदीप रेड्डी ने बताया कौन सी है उनकी अगली फिल्म

संदीप रेड्डी वांगा ने यहां अपनी अगली फिल्म के बारे में भी बताया। पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह बतौर डायरेक्टर फिल्म स्पिरिट पर काम कर रहे हैं। इसमें प्रभास लीड रोल में नजर आएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग जल्द शुरू होगी। इसमें प्रभास एक एंग्री लुक वाले कॉप के रोल में होंगे। इसके अलावा संदीप रेड्डी वांगा एनिमल का सीक्वल एनिमल पार्क भी अनाउंस कर चुके हैं।

संदीप रेड्डी वांगा का करियर

करियर की बात करें, तो संदीप रेड्डी वांगा ने बतौर अप्रेंटिस काम शुरू किया था। फिर 2013 में फिल्म अर्जुन रेड्डी से बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर रही थी, और इसी नाम से हिंदी में भी रीमेक बना, जिसमें शाहिद कपूर नजर आए थे।

हॉट या कोल्ड गर्दन में दर्द के लिए कौन सी सिकाई है बेहतर

इस बात का कोई प्रमाण नहीं है कि किसी भी प्रकार के दर्द के लिए हीट थेरेपी बेहतर है या हॉट थेरेपी। हालांकि, एक्सपर्ट्स नई चोट व सूजन की शिकायत पर ठंडी सिकाई का परामर्श देते हैं। वहीं, सूजन के कम होने पर, कठोरता व तनाव को कम करने के लिए गर्म सिकाई की सिफारिश करते हैं।

एनसीबीआई पर उपलब्ध शोध के मुताबिक गर्दन में दर्द के लिए हॉट और कोल्ड दोनों सिकाई को बेहतर माना जाता है। आमतौर पर एक्यूट नेक इंजरी, अचानक गर्दन में मांसपेशियों पर दबाव पड़ने के कारण दर्द, सूजन, एक्सरसाइज के बाद मांसपेशियों को आराम पहुंचाने आदि के लिए आईस यानी कोल्ड थेरेपी की सलाह दी जाती है। वहीं, दूसरी तरफ हॉट थेरेपी यानी गर्म सिकाई से सूजन कम हो जाने के बाद, पुरानी या बार–बार गर्दन में अकड़न, स्ट्रेचिंग या व्यायाम से पहले मांसपेशियों के वॉर्म अप के लिए करने के लिए कहा जाता है।

हॉट थेरेपी और कोल्ड थेरेपी में से कौन-सी करनी चाहिए

कुछ शोध में इस बात की पुष्टि होती है कि एक्सरसाइज करने के तुरंत 24 घंटे के अंदर ठंडी सिकाई करने से दर्द कम होता है। हालांकि, गर्दन में दर्द के पीछे कई कारण हो सकते हैं, इसलिए दोनों में से किसी एक को पूरी तरह बेहतर कहना सही नहीं होगा। बेहतर परिणामों के लिए आप बारी–बारी दोनों को करें और जिससे आपकी गर्दन को ज्यादा आराम मिले उसका चयन करें। ध्यान रखें कोई भी सिकाई करें एक बार में 20 मिनट से ज्यादा न करें।

हॉट थेरेपी को इसलिए माना जाता है बेहतर

गर्म सिकाई परिसंचरण में सुधार कर पुरानी से पुरानी कठोरता और तंग मांसपेशियों की परेशानी से राहत प्रदान करने में मदद करती है। इसकी मदद से प्रभावित क्षेत्र में अधिक पोषक तत्व और ऑक्सीजन को पहुंचाया जा सकता है, जो दर्द से निजात दिला सकते हैं। यह थेरेपी तंग मांसपेशियों को ढीला करने और ऊतकों को अधिक लचीला बनाने में भी मदद करती है। जब आप बेड रेस्ट पर नहीं हैं व रोजमर्रा के कार्य कर रहे हैं, तो ऐसे में एक्सपर्ट द्वारा हॉट थेरेपी का परामर्श दिया जाता है

इस तरह काम करती है ठंडी सिकाई

ठंडी सिकाई में रक्त वाहिकाओं को संकुचित करके, परिसंचरण को धीमा करने और सूजन को कम करके नई चोट से होने वाले अचानक दर्द को कम करने में मदद होती है। कोल्ड थेरेपी को मांसपेशियों की ऐंठन व तेज दर्द के अहसास को सुन्न करने के लिए बेहतर माना जाता है। यदि आप गर्दन में दर्द या खिंचाव के कारण बेड रेस्ट पर हैं, तो इसके लिए एक्सपर्ट्स कोल्ड थेरेपी यानी ठंडी सिकाई को बेहतर मानते हैं।

रीढ़ की हड्डी के लिए फायदेमंद है ऊर्ध्व मुख श्वानासन, जानिये करने का तरीका

योग के उन्हीं आसनों में से एक है "ऊर्ध्व मुख श्वानासन", इसे योग बैकबेंड पोज के नाम से भी जाना जाता है। यह आसन खासतौर पर मजबूत रीढ़ की हड्डी के लिए है। कुछ लोग रीढ़ की हड्डी में दर्द से परेशान रहते हैं, तो यह योग आसन उन्हें काफी राहत देगा। इस आसन को करने का तरीका भुजंगासन के समान है। इस आर्टिकल में जानिए ऊर्ध्व मुख श्वानासन को कैसे किया जाता है और यह क्या है। "ऊर्ध्व मुख श्वानासन" को करने से पहले आप इसे सही ढंग से करने का तरीका सीख लें। इसके लिए आप किसी योग विशेषज्ञ की मदद लें। ताकि आपको इसका पूरा लाभ मिले और आपको बैकबोन को कोई नुकसान न हो। ऊर्ध्व मुख श्वानासन को करने के लिए सबसे पहले शांत जगह पर मैट पर पेट के बल लेट जाएं। ध्यान रखें कि इस समय जमीन की तरफ से ऊपर का हिस्सा स्ट्रेट हो। अपनी बाजुओं को शरीर के दोनों तरफ आराम टीका लें। इसमें आपके पैरों के शीर्ष जमीन को छूने चाहिए और आपका शरीर बिल्कुल सीधा होना चाहिए। अब सांस लेते हुए हथेलियों को जमीन पर मजबूती के साथ दबाने का प्रयास करें, साथ ही धीरे–धीरे अपने घुटनों, कूल्हों और शरीर के धड़ को ऊपर की तरफ उठायें। इस स्थिति के दौरान अपने शरीर का पूरा वजन पैरों के शीर्ष और हथेलियों पर ही रखें।

ब्लैडर की गंदगी साफ करने, यूटीआई से बचने के लिए खाएं ये चीजें

आप जो खाते–पीते हैं, उसका सीधा असर आपके मूत्राशय (ब्लैडर) पर पड़ता है। यदि आपको बार–बार पेशाब आने की समस्या रहती है या मूत्र संक्रमण (यूटीआई) जल्दी हो जाता है। मूत्राशय की समस्याएं रोजाना के कामकाज को बाधित कर सकती हैं। ब्लैडर के खराब होने से आपको पेशाब से जुड़े कई रोग जैसे मूत्र संक्रमण (यूटीआई), मूत्र असंयम (यूरिनरी इन्कॉन्टीनेंस), मूत्र अवरोध (यूरिनरी रिटेंशन) आदि का रिस्क हो सकता है। मूत्राशय की समस्या के लक्षणों में शामिल हैं– पेशाब रोकने में असमर्थता या पेशाब का रिसाव, बार–बार या अचानक पेशाब करने की आवश्यकता, पेशाब का धुंधला होना, पेशाब में खून आना, पेशाब करने से पहले, दौरान या बाद में दर्द या जलन महसूस होना, पेशाब करने में शुरू करने में परेशानी या कमजोर धारा आना, मूत्राशय पूरी तरह से खाली न हो पाना। नॉएडा के ई–260 सेक्टर 27 स्थित श्कपिल त्यागी आयुर्वेद क्लिनिकश के डायरेक्टर कपिल त्यागी के अनुसार, कुछ खाद्य पदार्थ इन समस्याओं को बढ़ा सकते हैं।

कलाई में दर्द कहीं इन 3 गंभीर बीमारियों से तो नहीं हो रहा

कई बार कलाई में होने वाले दर्द को हम आम समझ कर हम अनदेखा कर देते हैं। यह उन लोगों में ज्यादा होता है, जो लंबे समय तक कंप्यूटर पर काम या हाथों पर ज्यादा दबाव पड़ने वाला कोई काम करते हैं। यह दर्द किसी बीमारी का लक्षण भी हो सकता है। यह मोच या फ्रैक्चर होने की वजह से हो सकती है। अगर इस परेशानी पर जल्द ध्यान न दिया गया तो बढ़ते समय के साथ यह परेशानी और भी बढ़ सकती है। भविष्य में गठिया रोग या कार्पल टनल सिंड्रोम जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।इस आर्टिकल में हम कलाई में दर्द के बारे में और इसका इलाज कैसे किया जाता है, यह जानेंगे। कलाई में दर्द के लक्षण निम्नलिखित हो सकते हैं, जैसे कि हाथ से कोई भी काम समय में तकलीफ महसूस होना या काम नहीं कर पाना।जब आप कलाई को घुमाते है कुछ काम करने के लिए तो उस दौरान तेज दर्द होना और कलाई के आसपास के हिस्से पर नीला पड़ना आदि इसके मुख्य लक्षण हैं। हमारी कलाई 8 अलग–अलग हड्डियों से मिलकर बनी है। अगर कलाई से संबंधित कोई परेशानी शुरू हो जाए, तो यह एक गंभीर समस्या है। इसलिए इसके कारणों को समझना अत्यधिक आवश्यक है। इसके कारणों में शामिल है लंबे समय तक लैपटॉप चलाना, लंबे समय तक मोबाइल का इस्तेमाल, हाथों में मोच आना या फ्रैक्चर होना और पहले से गठिया की बीमारी होना।

ना कोलेस्ट्रॉल, ना डायबिटीज, किसी गंदगी को नहीं बढ़ने देगी चाय पत्ती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दूध वाली चाय, मसाला चाय, लौंग वाली चाय, बिना दूध की चाय, ना जाने कितने तरीकों से इस ड्रिंक को पीया जाता है। इसे पीने से एनर्जी मिलती है और दिमाग तेजी से काम करने लगता है। लेकिन क्या आपको पता है कि चाय की पत्तियां खाने से भी कई सारी समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। आपको इस उपाय को बहुत ज्यादा नहीं करना चाहिए। कभी–कभार दिन में 1 छोटी चम्मच चाय पत्ती खाई जा सकती है। चाय पत्ती के अंदर एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जो शरीर की सेल्स को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से रक्षा करते हैं। आप सुबह के वक्त आधी चम्मच चाय पत्ती को गुनगुने पानी के साथ ले सकते हैं। आइए इसके हेल्थ बेनिफिट्स के बारे में जानते हैं।

दस्त रोकने का उपाय

दस्त लगने पर चाय पत्ती का सेवन करवाया जाता था। यह उपाय गट हेल्थ को सुधारता है। जिससे आंतों के हेल्दी बैक्टीरिया की संख्या बढ़ती है और गंदे बैक्टीरिया कम होने लगते हैं। इसकी वजह से बैक्टीरियल डायरिया में राहत मिलती है।

गंदे कोलेस्ट्रॉल की सफाई

शरीर में दो प्रकार के लिपोप्रोटीन होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल का सर्कुलेशन करते हैं। इसमें से लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन को गंदा कोलेस्ट्रॉल मानते हैं जो नसों में जम सकता है। इसकी वजह से हार्ट अटैक और स्ट्रोक आता है। कुछ शोध में देखा गया है कि चाय की पत्तियों में एलडीएल कोलेस्ट्रॉल (तमा.) को कम करने की क्षमता होती है।

नहीं बढ़ेगा ग्लूकोज

जिन लोगों का ग्लूकोज डायबिटीज की वजह से बढ़ा रहता है वो चाय की पत्ती को फांक सकते हैं। यह खाने के बाद बढ़ने वाली शुगर को कंट्रोल रखती है। जिससे आपकी किडनी, लिवर, दिल और दिमाग पर प्रेशर नहीं बढ़ता। अपने अंगों को हेल्दी रखने के लिए यह बहुत अच्छा तरीका है।

कैंसर का खतरा भी कम

आपको जानकर हैरानी होगी कि लगभग 100 प्रकार के कैंसर होते हैं। जिनमें के कुछ बेहद खतरनाक होते हैं। चाय की पत्ती में पॉलीफेनोल होता है जो कैंसर बन चुकी सेल्स को नष्ट करने में मदद करता है। इससे कैंसर से बचाव होने के साथ उससे छुटकारा भी मिलता है।

दिमाग का फोकस बढ़ाएगी

चाय पत्ती में कैफीन होता है जो अपने आप में कई सारे फायदों से भरा है। इसके साथ एल थियानाइन अमिनो एसिड भी होता है जो दिमाग को एक्टिव बनाता है। अगर आप काम या किसी चीज में फोकस नहीं कर पाते हैं या याद नहीं रहता तो इसका सेवन करने से फायदा पा सकते हैं।

कपिल देव के अंदाज में लपका कैच

बेन ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर हवा में चले गई और फील्डर शुभमन गिल ने पीछे की ओर दौड़ लगाई और डाइव लगाकर कैच लपक लिया। उनका ये कैच देखकर कपिल देव के उस यादगार कैच की याद दिला दी, जो उन्होंने 1983 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ लिया था। कपिल ने उस दौरान लंबी दौड़ लगाई थी और सही समय पर कैच लपका था। उन्होंने विवियन रिचर्ड्स को पवेलियन की राह दिखाई थी।

गिल ने उल्टा दौड़कर लपका अविश्वसनीय कैच

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मुकाबला धर्मशाला में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के पहले दिन भारतीय टीम के स्टार शुभमन गिल छा गए। गिल ने इंग्लैंड की पहली पारी में बेन डकेट का गजब का कैच लपका। कुलदीप की गेंद पर डकेट एक बड़ा शॉट मारने का प्रयास किया, लेकिन गिल ने उल्टा दौड़ लगाकर उनका कैच लपक लिया। हर किसी को अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ, क्योंकि गिल लगभग 20 गज भागे और डाइव लगाकर गेंद को दोनों हाथ से लपक लिया। गिल के कैच के बाद फैंस को कपिल देव के कैच की याद आई। दरअसल, इंग्लैंड की पारी के 18वें ओवर में भारत की तरफ से कुलदीप यादव ओवर डालने आए थे। इस दौरान क्रीज पर बेन डकेट और जैक मौजूद थे। जैक और बेन ने इंग्लैंड को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों की साझेदारी को भारतीय गेंदबाज तोड़ नहीं पा रहे थे, लेकिन कप्तान रोहित ने कुलदीप को गेंद थमाई और कुलदीप ने पहले ओवर की आखिरी गेंद पर बेन डकेट को अपना शिकार बनाया।

कुलदीप यादव की फिरकी में फंसे इंग्लिश बल्लेबाज

चाइनामैन ने तोड़ डाला पूर्व भारतीय कप्तान का 45 साल पुराना रिकॉर्ड

क्रिकेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का पांचवां मैच धर्मशाला में खेला जा रहा है। टेस्ट सीरीज में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 3–1 से अजेय बढ़त बना रखी है। पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर बेन स्टोक्स ने बल्लेबाजी का फैसला किया।

इंग्लैंड की टीम को जैक क्रॉली और बेन डकेट ने शानदार शुरुआत दिलाई, लेकिन कुलदीप यादव ने जैक को आउट कर इंग्लैंड को झटका दिया। लंच ब्रेक तक कुलदीप ने इंग्लैंड को दूसरा झटका ओली पोप के रूप में दिया। 2 विकेट हासिल करते हुए कुलदीप यादव ने बिशन सिंह बेदी का 45 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

दरअसल, 29 साल के कुलदीय यादव ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें

टेस्ट के पहले दिन शुरुआती दो विकेट चटकाए। कुलदीप भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले 17वें प्लेयर बन गए हैं। उन्होंने इस दौरान पूर्व भारतीय कप्तान बिशन सिंह बेदी के 45 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया। भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में बिशन सिंह बेदी ने 77 मैच खेलते हुए 273 विकेट चटकाए थे। इस दौरान कुलदीप ने धर्मशाला टेस्ट में 2 विकेट हासिल करते ही उनका रिकॉर्ड धवस्त कर दिया। कुलदीप ने 150 मैच खेलते हुए 275 विकेट चटकाए।

धर्मशाला टेस्ट के पहले दिन लंच ब्रेक तक इंग्लैंड ने 100 रन बनाए। पहले सेशन में 25.3 ओवर गेंदबाजी हुई और बेन डकेट–जैक क्रॉली ने पहले विकेट के लिए 64 रन की साझेदारी निभाई। कुलदीप ने इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद जैक ने टेस्ट करियर का 14वां अर्धशतक जमाया। लंच से पहले कुलदीप ने ओली को ध्रुव जुरेल के हाथों स्टंप कराया और इंग्लैंड को इस तरह दूसरा झटका लगा। पो 11 रन बनाकर आउट हुए।

टीम कॉम्बिनेशन के चलते कुलदीप यादव को अक्सर प्लेइंग इलेवन से ड्रॉप कर दिया जाता। बेहद कम मौके मिलते, जिसमें उन्हें परफॉर्म करना पड़ता। मैच में अपना 100 परसेंट देते, लेकिन इसके बाद भी कभी वो क्रेडिट नहीं मिलता, जिसके हकदार हैं। कुलदीप यादव का टेस्ट करियर 2017 में इसी मैदान पर शुरू हुआ था। अपने करियर का बड़ा माइलस्टोन उन्होंने इसी मैच में टच किया। चौथी बार टेस्ट करियर में फाइव विकेट हॉल पूरा किया।

आर अश्विन के जहन में बस गया ये ऐतिहासिक पल!

■द्रविड़ ने सौंपी स्पेशल कैप तो खिलाड़ियों से मिला गार्ड ऑफ ऑनर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की आखिरी मुकाबले में इंग्लैंड टीम ने बैटिंग का फैसला किया। धर्मशाला के HPCA स्टेडियम में खेला जा रहा ये मैच टीम इंडिया के स्पिनर आर अश्विन और जॉनी बेयरस्टो के लिए बेहद स्पेशल है, क्योंकि दोनों ही अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं।

मैच शुरू होने से पहले आर अश्विन को हेड कोच राहुल द्रविड़ ने स्पेशल कैप दी। इस दौरान स्टेडियम में अश्विन की बेटी और उनकी वाइफ भी उनके इस खास दिन पर उन्हें सपोर्ट करने पहुंची। जब द्रविड़ ने अश्विन को स्पेशल कैप दी तो उनकी बेटी और वाइफ भावुक नजर आए। सोशल मीडिया पर इसकी तस्वीरें भी वायरल हो रहा है।

दरअसल, भारत के स्पिनर आर अश्विन को जिस पल का इंतजार था, वह आ ही गया। अश्विन ने ध र्मशाला में अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए मैदान पर कदम रखा, तो भारतीय खिलाड़ियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। साथी खिलाड़ियों से अश्विन को गार्ड ऑफ ऑनर मिला, जिसकी तस्वीरें वायरल हो रहा है।

इसके साथ ही भारतीय टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने अश्विन को उनकी पत्नी पृथ्वी नारायणन और उनकी दोनों बेटियों की मौजूदगी में 100वें टेस्ट के लिए स्पेशल कैप सौंपी। 2011 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद, अश्विन भारत के सबसे बड़े मैच विनर में से एक बनकर सामने आए हैं। ऐसा एक दिन पहले कप्तान रोहित ने भी अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था। बता दें कि अश्विन अनिल कुंबले के दूसरे भारतीय बॉलर बन गए हैं, जिन्होंने 500 से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए है।

बता दें कि आर अश्विन भारत के लिए 100 या उससे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। वह 100 या उससे ज्यादा टेस्ट खेलने वाले 14वें भारतीय खिलाड़ी बने। टेस्ट में अश्विन ने 507 विकेट अभी तक ले लिए हैं। वह 100 टेस्ट से कम मैचों में 500 से ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज हैं। उनसे पहले पूर्व श्रीलंकाई मुथैया मुरलीधरन ने यह कारनामा किया था।

गुजरात जायंट्स को मिली पहली जीत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। गुजरात जायंट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु पर 19 रन की शानदार जीत के साथ अपनी चार मैचों की हार का सिलसिला तोड़ दिया है। दिल्ली में चल रहे महिला प्रीमियर लीग 2024 में अपनी पहली जीत दर्ज की। गुजरात जायंट्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट के नुकसान पर 199 रन का स्कोर बनाया। आरसीबी 8 विकेट 180 रन ही बना सकी। गुजरात ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। लौरा वोल्वार्ड्ट और बेथ मूनी ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। लौरा और मूनी के बीच 140 रन की साझेदारी हुई। लौरा वोल्वार्ड्ट ने 45 गेंद पर 76 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान बेथ मूनी ने 51 गेंद पर नाबाद 85 रन की पारी खेली। लिचफील्ड ने 18 रन का योगदान दिया। आरसीबी की तरफ से सोफी डिवाइन ने 3 ओवर में 0/37 और रेनुका ठाकुर 4 ओवर में 0/34 रन लुटाए। मोलिनक्स ने 4 ओवर में 32 रन देकर एक विकेट लिया।

न्यूज डायरी

धर्मशाला में देवदत्त पडिक्कल को मिला डेब्यू का मौका

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आखिरी मैच ध र्मशाला में खेला जा रहा है। इस मैच में इंग्लैंड टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम ने प्लेइंग–11 में दो बदलाव किए। जसप्रीत बुमराह की वापसी की वजह से आकाश दीप को बाहर का रास्ता दिखाया गया, जबकि रजत पाटीदार एक दिन पहले ट्रेनिंग के दौरान इंजर्ड हो गए थे। ऐसे में उनकी जगह देवदत्त पडिक्कल को डेब्यू का मौका मिला है। बीसीसीआई ने अपने एक्स पर यह जानकारी दी है। देवदत्त पडिक्कल के डेब्यू के साथ ही भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। भारतीय क्रिकेट का 24 साल पुराना रिकॉर्ड धवस्त हो गया है। दरअसल, रोहित शर्मा ने जब पांचवें टेस्ट के लिए प्लेइंग–11 का एलान करते हुए बताया कि देवदत्त पडिक्कल को डेब्यू का मौका मिला है, तो इस दौरान भारतीय क्रिकेट का 24 साल पुराना रिकॉर्ड भी टूट गया। बता दें कि ऐसा पहली बार हो रहा है जब भारतीय सरजमीं पर एक सीरीज में भारत के 5 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। देवदत्त पडिक्कल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में डेब्यू करने वाले पांचवें भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले इस सीरीज में रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल और आकाशदीप को भी डेब्यू करने का मौका मिला है।

जमकर बोल रहा पांचवें टेस्ट मैच में यशस्वी जायसवाल का बल्ला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) धर्मशाला। भारत और इंग्लैंड के बीच आज यानी 7 मार्च से सीरीज का पांचवां टेस्ट ध र्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन पूरी तरह से भारतीय टीम का दबदबा देखने को मिला है। पहले गेंदबाजी में भारतीय स्पिनर्स ने इंग्लिश बल्लेबाजों को अपने जाल में फंसाया। फिर उसके बाद बल्लेबाजी में ओपनर यशस्वी जायसवाल के क्या कहने। उन्होंने आते ही तूफानी अंदाज में खेलना शुरू कर दिया। जायसवाल टेस्ट क्रिकेट को वनडे–टी20 की तरह खेलते हैं। वहीं अब यशस्वी जायसवाल ने इंग्लैंड के युवा स्पिनर शोएब बशीर को रिमांड पर लिया। उन्होंने बशीर की एक ओवर में हवा निकाल दी। दरअसल, भारतीय क्रिकेट टीम की पारी का 9वां ओवर इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर डालने आए थे। बशीर के ओवर की पहली गेंद से यशस्वी जायसवाल स्ट्राइक पर थे। जायसवाल ने ओवर की दो गेंदें तो आराम से खेली। लेकिन इसके बाद अगली गेंद पर उन्होंने स्टेप आउट कर सामने की तरफ छक्का लगाया। इसके बाद आखिरी दो बॉल को भी यशस्वी जायसवाल ने छक्के के लिए भेजा। इस तरह यशस्वी ने शोएब बशीर के एक ओवर में 3 छक्के लगाए और 18 रन बटोरे।

चिल्लाते रह गए सरफराज खान, रोहित शर्मा ने एक नहीं सुनी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) धर्मशाला। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच धर्मशाला में खेला जा रहा है। मैच में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। खेल के पहले सेशन में इंग्लैंड की टीम ने 100 रन के स्कोर पर अपने 2 विकेट गंवा दिए। लंच ब्रेक खत्म हुआ तो अनुभवी बल्लेबाज जो रूट बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे। रूट अभी कुछ गेंद ही खेल पाए थे कि कि बुमराह की गेंद पर सरफराज खान ने एक जोरदार अपील की। दरअसल पारी के 26वें ओवर की पहली ही गेंद पर बुमराह के खिलाफ लेग साइड में रूट के बल्ले का हल्ला सा किनारा लेते हुए विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के पास गया, लेकिन जुरेल उस गेंद को कनेक्ट नहीं कर पाए। हालांकि, लेग स्लिप में भी खड़े सरफराज ने डाइव लगाते हुए गेंद को नीचे गिरने से पहले पकड़ लिया। सरफराज को पता था कि जो रूट के बैट का हल्का सा किनारा लगा है और उन्होंने अपील शुरू कर दी लेकिन अंपायर उस अपील से संतुष्ट नहीं हुए। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा ने ध्रुव जुरेल से पूछा कि क्या बैट का किनारा लगा है। ध्रुव ने सर हिलाते हुए मना कर दिया, क्योंकि उन्हें पता ही नहीं चला था। इस बीच सरफराज रोहित को डीआरएस के लिए मनाने की कोशिश में थे कि बैट से गेंद लगी है, लेकिन भारतीय कप्तान नहीं माने और इस बीच डीआरएस का वक्त खत्म हो गया। इसके बाद जब बड़े स्क्रीन पर वीडियो रिप्ले देखा गया तो उसमें बैट से गेंद का हल्का सा किनारा लगता हुआ था।

पेज थ्री देहरादून

हमारा दून

देहरादून, शुक्रवार, 8 मार्च 2024

नारी शक्ति महोत्सव' के अंतर्गत देहरादून में मुख्यमंत्री धामी का भव्य रोड शो होता हुआ।

गांवों के विकास पर दिया जा रहा है विशेष ध्यानः मुख्यमंत्री

नियुक्ति पत्र

■ मुख्यमंत्री ने 394 ग्राम विकास अधिकारियों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्य सेवक सदन में ग्राम विकास विभाग के अंतर्गत अधीनस्थ चयन सेवा आयोग के माध्यम से चयनित 394 ग्राम विकास अधिकारियों के पद पर नियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में नव–नियुक्त ग्राम विकास अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए अपेक्षा की कि आप सभी नियुक्त कार्मिक अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करते हुए गांवों को विकसित बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि आपको जो जिम्मेदारी मिल रही है, उसे पहले दिन से ही अपने लिये कड़ा अनुशासन बनाकर प्रारम्भ करें, जो आपको सेवा व जीवन काल में काफी फायदा देगा। उन्होंने गांवों का जिक्र करते हुये कहा कि गांवों के विकास पर ही देश का विकास निर्भर है। उन्होंने कहा कि गांवों तक बिजली, पानी, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधायें पहुंचाने की जिम्मेदारी सरकार की है, पर इसके साथ ही इन गांवों के अंदर का अवस्थापना सुविधायें मजबूत रखने की महती जिम्मेदारी आपके कंधों पर है।

मुख्यमत्री ने कहा कि गांवों के विकास से जुड़े कार्य संपादन प्रक्रिया आज महत्वपूर्ण कडी है अतः आपको सुनिश्चित करना होगा कि गांवों के अंदर के रास्ते ठीक हों, जल निकासी की व्यवस्था अच्छी हो और राज्य सरकार के तरफ से आने वाले फंड का पारदर्शी तरीके से सही जगह पर उपयोग हो। उन्होंने कहा कि गांवों में अंतिम छोर पर रहने वाले व्यक्ति की मदद हो, उनको राज्य सरकार की सभी योजनाओं और नीतियों का लाभ मिले, इस दिशा में भी आपको काम करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए समर्पित भाव से निरंतर प्रयासरत हैं। विकसित भारत के लिए गांवों की सामाजिक, आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमने अंत्योदय के सिद्धांत को अंगीकार करते हुए गांवों के विकास पर विशेष ध्यान दिया है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ लोगों को अन्न उपलब्ध कराने का काम किया है, देश की अर्थव्यवस्था ग्यारहवीं से पांचवें नम्बर पर आ गयी है, जो शीघ्र ही आने वाले समय में तीसरे नम्बर पर आ जायेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का उत्तराखण्ड से विशेष लगाव है। उनके मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड का हर क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा एक तरफ सड़क, शिक्षा, पेयजल, आवास और शौचालयों के निर्माण तेजी से किये जा रहे है, वहीं दूसरी तरफ लखपति दीदी जैसी योजनाओं के जरिए विभिन्न स्वयं सहायता समूहों का गठन कर महिला शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रही है तथा गरीब परिवारों के लिए साल में तीन निशुल्क गैस सिलेंडर भरवाने की योजना हमने लागू की है, जिससे विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की सही मायने में मदद हो सके तथा उनका जीवन स्तर ऊपर उठ सके। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि हमारे युवा, युवा सोच और सकारात्मक अप्रोच के साथ गांवों को विकसित बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगें।

आज युवाओं की दिशा बदल रही हैः गणेश जोशी

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने नव–नियुक्त ग्राम विकास अधिकारियों को बधाई व शुभकामना देते हुए कहा कि देश की आत्मा गांवों में बसती है। उन्होंने कहा कि आपको जो जिम्मेदारी दी जा रही है, उसके माध्यम से आपको अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। उन्होंने कहा कि आज युवाओं की दिशा बदल रही है, वे हर क्षेत्र में नये–नये आयाम स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है।

अधिकारी लगातार समवर्ती अनुश्रवण करना सुनिश्चित करें

विमोचन

■ सीएम ने विभागीय कार्य योजनायें व सशक्त उत्तराखण्ड पुस्तिकाओं का विमोचन

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को कैम्प कार्यालय सभागार में सशक्त उत्तराखंड रोड मैप तैयार किये जाने के सम्बन्ध में तैयार की गयी कार्य योजना से सम्बंधित पुस्तिकाओं अल्प, मध्य तथा दीर्घकालिक विभागीय कार्ययोजनायें व सशक्त उत्तराखण्ड का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने पुस्तिकाओं के विमोचन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकाक्षी विजन तथा प्रखर मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड सरकार राज्य के समावेशी विकास हेतु पूर्ण समर्पण भाव से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि विगत नवम्बर में मसूरी में चिन्तन शिविर का आयोजन किया गया था, जिसके आउटकम के रूप में आज हमारे सामने राज्य के अल्पकालिक, मध्यकालिक तथा दीर्घकालिक विकास हेतु सभी विभागों के रोडमैप तैयार हैं, जिसके लिये अधिकारी सराहना के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इन रोड मैपों के माध्यम से अधिकारी लगातार समवर्ती अनुश्रवण करना सुनिश्चित करें तथा इन पुस्तिकाओं में जो शार्ट टर्म व लॉन्ग टर्म योजनाओं का उल्लेख किया गया है, उन्हें धरातल पर उतारने के लिये अभी से कार्य करना सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, प्रमुख सचिव एल.एल. फैनई, सचिव शैलेश बगौली, सचिव दीपक गैरोला, अपर सचिव सविन बंसल सहित संबंधित पदाधिकारी एवं अधिकारीगण उपस्थित थे।

'बिल लाओ ईनाम पाओ' योजना के लकी ड्रॉ की ऑनलाईन घोषणा

संवाददाता देहरादून। वित्त मंत्री डॉ. प्रेम चन्द अग्रवाल ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में "बिल लाओ ईनाम पाओ" योजना के 15वें एवं 16वें लकी ड्रॉ की घोषणा ऑनलाईन माध्यम से की जिसमें जनवरी तथा फरवरी 2024 में उपभोक्ताओं द्वारा अपलोड किये गये बिलों को शामिल किया गया। मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को बिल लेने के संबंध में जागरूक करने के उद्देश्य से "बिल लाओ ईनाम पाओ" योजना चलायी जा रही है। उन्होंने बताया कि योजना के अन्तर्गत अब तक चौदह मासिक लकी ड्रॉ आयोजित किये गये हैं। वित मंत्री ने कहा कि आज का आयोजन 15वें तथा 16वें मासिक लकी ड्रॉ के विजेताओं का चयन किये जाने के लिए आयोजित किया गया है, जिनके द्वारा पंजीकृत व्यापारियों से की गयी खरीद पर प्राप्त बिल को BLIPUK App पर अपलोड किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

टनकपुर–देहरादून के मध्य नई रेलगाड़ी के संचालन पर सीएम ने प्रकट आभार किया

संवाददाता देहरादून। टनकपुर–देहरादून के मध्य नई रेलगाड़ी के संचालन को रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृति प्रदान करने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रसन्नता जाहिर की है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार प्रकट करते हुए कहा कि इस ट्रेन के संचालन से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पूर्व में उनके द्वारा रेल मंत्री जी से इस संदर्भ में आग्रह किया गया था, जिस पर अब मंत्रालय की ओर से नई रेल के संचालन को मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

सीएम से चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के सदस्यों ने भेंट की

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से गुरुवार को सचिवालय देहरादून में उत्तराखण्ड चार धाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के सदस्यों ने भेंट की। इस अवसर पर समस्त तीर्थ पुरोहितों एवं पुजारियों ने उत्तराखंड राज्य में यूनिफॉर्म सिविल कोड विधेयक पारित किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया एवं उन्हें अभिनंदन पत्र भेंट किया। तीर्थ पुरोहितों एवं पुजारीयों ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने समान नागरिक संहिता विधेयक पास कर ऐतिहासिक कार्य किया है। इससे देश में उत्तराखण्ड राज्य का सम्मान बढ़ा है।

नारी शक्ति महोत्सव' के अंतर्गत देहरादून में हुआ मुख्यमंत्री का भव्य रोड शो

संवाददाता देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को 'नारी शक्ति महोत्सव' के अंतर्गत देहरादून के त्यागी रोड से लेकर बन्नू स्कूल मैदान तक आयोजित भव्य रोड शो में प्रतिभाग किया। इस दौरान हजारों की संख्या में उपस्थित महिलाओं, क्षेत्रीय जनता ने मुख्यमंत्री का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान क्षेत्रीय जनता के स्वागत से मुख्यमंत्री अभिभूत नजर आए। मुख्यमंत्री ने भी लोगों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

शिवरात्रि पर आज को ओपीड़ी में नहीं बैठेंगे सरकारी डॉक्टर

संवाददाता देहरादून। राज्य के सरकारी डॉक्टर शुक्रवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर अस्पतालों में ओपीडी नहीं करेंगे। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ की ओर से यह निर्णय लिया गया है। प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ मनोज वर्मा और प्रदेश महामंत्री डॉ रमेश कुंवर ने बताया कि संघ ने सार्वजनिक अवकाश के दिन अस्पतालों में आधा दिन तक ओपीडी कार्य न करने का निर्णय लिया है। हालांकि इस दिन अस्पतालों की इमरजेंसी खुली रहेगी और वहां डॉक्टर भी मौजूद रहेंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।